পাঠ
पाठ 4

বৃষ্টির দিনে
बृष्टिर दिने

बरसात के दिन

বিনয় : পঙ্কজদা, তাড়াতাড়ি দরজা খোলো।
बिनय : पंकोजदा, ताड़ाताड़ि दरजा खोलो।

विनय : पंकजदादा, जल्दी से दरवाजा खोलो।

পঙ্কজ : কে বিনয়? দাঁড়া, দরজা খুলছি।
पंकोज : के बिनय? दाँड़ा, दरजा खुलछि।
অনেকক্ষণ থেকে তোর জন্যে অপেক্ষা
अनेक्खोन थेके तोर जोन्ने अपेक्खा
করছি। এত দেরী কেন?
कोरछि। ऐतो देरि कैनो?

पंकज : कौन विनय? ठहर, दरवाजा खोलता हूँ। बहुत देर से तेरी प्रतीक्षा कर रहा हूँ। इतनी देर क्यों?

বিনয় : বাম্পরে জোর বৃষ্টি পড়ছে। রাস্তায়
बिनय : बाइरे जोर बृष्टि पोड़छे। रास्ताय
প্রচুর জল। ট্রাম, বাস চলছে না।
प्रोचुर जल। ट्राम, बास चोलछे ना।

विनय : बाहर बहुत वर्षा हो रही है। रास्ते में बहुत पानी हैं। ट्राम, बस आदि नहीं चल रही हैं।

পঙ্কজ : কেন রিক্সাও নেম্প?
पंकोज : कैनो रिक्शाओ नेइ?

पंकज : क्या रिक्शा भी नहीं चलता है?

বিনয় : কোন রিক্সা এদিকে আসতে চাম্পছে না।
बिनय : कोनो रिक्शा एदिके आशते चाइछे ना।
পথ-ঘৗ সব অন্ধকার। রাস্তায় কোন
पथ-घाट शब अन्धोकार। रास्ताय कोनो
আলো জ্বলছে না। তাম্প তো এত দেরী।
आलो जोलछे ना। ताइ तो ऐतो देरी।

विनय : कोई भी रिक्शा इधर नहीं आना चाहता। रास्ते में सब अंधेरा है। रास्ते में कोई उजाला नहीं है।

পঙ্কজ : বেশ, এম্প তোয়ালৌ নে। তাড়াতাড়ি
पंकोज : बेश, एइ तोयालेटा ने। ताड़ाताड़ि
হাত, পা ও মাথা মোছ। তোর

पंकज : ठीक है, यह तौलिया ले। जल्दी से हाथ-पाँव और सिर पोंछ ले। मैं तेरी भाभी को चाय बनाने के लिए

বৌদিকে
হাথ, পা ও মাথা মোছ। তোর
বোউদিকে
চা করতে বলছি। তুম্প চা খা।
আমি
চা কোরতে বোলছি। তুই চা খা। আমি
এক্ষুনি আসছি।
এক্খুনি আশছি।

বিনয় : না, না, চায়ের দরকার নেম্প। তুমি
বিনয় : না, না চায়ের দরকার নেই। তুমি
এখন কোথায় যাচ্ছো?
ঐখোন কোথায় জাচ্ছো?

পঙ্কজ : আমি কালুর দোকান থেকে ডিম
পংকোজ : আমি কালুর দোকান থেকে ডিম
আনতে যাচ্ছি। তুম্প এখানে বস।
আনতে জাচ্ছি। তুই এখানে বস।
আমি এক্ষুনি আসছি।
আমি এক্খুনি আশছি।

বিনয় : শঙ্কু আর রিঙ্কু কি করছে?
বিনয় : শংকু আর রিংকু কি কোরছে?

পঙ্কজ : আগামী সপ্তাহে ওদের পরীক্ষা শুরু
পংকোজ : আগামী শপ্তাহে ওদের পোরিক্খা শুরু
হচ্ছে। তাম্প ওরা পাশের ঘরে
পড়ছে।
হোচ্ছে। তাই ওরা পাশের ঘরে পোড়ছে।
বেশ, আমি ওদের ডাকছি।
বেশ, আমি ওদের ডাকছি।

बोलता हूँ। तू चाय पी। मैं अभी आता हूँ।

विनय : नहीं नहीं, चाय की ज़रूरत नहीं है। तुम इस समय कहाँ जाते हो?

पंकज : मैं कालू की दुकान से अण्डे लाता हूँ। तू यहाँ बैठ, मैं अभी आता हूँ।

विनय : शंकू और रिंकू क्या करते हैं?

पंकज : अगले सप्ताह से उनकी परीक्षा है। इसलिए वे पास के कमरे में पढ़ रहे हैं। अच्छा, मैं उन्हें बुलाता हूँ।

विनय : नहीं नहीं, रहने दो। भाभी क्या कर रही हैं? उनको दिखाई नहीं पड़ रही हैं।

भाभी : कौन, विनय? कैसे हो?

বিনয় : না, না, থাক। বৌদি কি করছে?
বিনয় : না, না, থাক। বোউদি কি কোরছে?

ওকে দেখছি না।
ওকে দেখছি না।

বৌদি : কে, বিনয়? কেমন আছ?
বোউদি : কে বিনয়? কৈমোন আচ্ছো?

বিনয় : ভাল আছি বৌদি।
বিনয় : ভালো আচ্ছি বোউদি।

বৌদি : শোন, আজ তুমি এখানেম্প থাকো।
বোউদি : শোনো, আজ তুমি এখানেই থাকো।

বিনয় : আজ কি বিশেষ কিছু রান্না হচ্ছে?
বিনয় : আজ কি বিশেষ কিছু রান্না হোচ্ছে?

বৌদি : হ্যাঁ, আজ বর্ষার দিন। তাম্প খিচুড়ি
বোউদি : হ্যাঁ, আজ বর্শার দিন। তাই খিচুড়ি

করছি।
কোরচ্ছি।

বিনয় : তাম্প, সেম্প রকম গন্ধম্প পাচ্ছি।

যাক,
বিনয় : তাই, শেই রকোম গন্ধোই পাচ্ছি। জাক,

খিচুড়ী ছেড়ে আজ আর নড়ছি না।
খিচুড়ী ছেড়ে আজ আর নোড়ছি না।

বৌদি : আমি ডিম ভাজতে যাচ্ছি। তোমরা
বোউদি : আমি ডিম ভাজতে জাচ্ছি। তোমরা

সবাম্প খাবারঘরে এসো।
শবাই খাবারঘরে এশো।

বিনয় : ঠীক হূঁ भाभी।

भाभी : सुनो, आज तुम यहीं ठहरो।

विनय : आज क्या कोई विशेष रसोई है?

भाभी : हाँ, आज बरसात का दिन है। इसलिए खिचड़ी बनाती हूँ।

विनय : तभी तो, वैसी ही सुगंध आ रही है। ठीक है, मैं खिचड़ी छोड़कर आज नहीं जा रहा हूँ।

भाभी : मैं अण्डे तलती हूँ। तुम सब भोजन कक्ष में आओ।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
তাড়াতাড়ি	ताड़ाताड़ि	जल्दी, फ़ौरन
দরজা	दरजा	दरवाज़ा
খোলো	खोलो	खोलो
দাঁড়া	दाँड़ा	ठहर
খুলছি	खुलछि	खोलता हूँ
অনেকক্ষণ	अनेक्खोन	बहुत देर
থেকে	थेके	से
তোর	तोर	तेरा
অপেক্ষা	अपेक्खा	प्रतीक्षा
বৃষ্টি	बृष्टि	वर्षा, बरसात
প্রচুর	प्रोचुर	अनेक
জল	जल	जल, पानी
চলছে	चोलछे	चल रहा है
পথ-ঘাট	पथ-घाट	रास्ते
কোন	कोनो	कोई भी
চাম্পছে	चाइछे	चाह रहा है
অন্ধকার	अन्धोकार	अंधेरा
আলো	आलो	प्रकाश
জ্বলছে	जोलछे	जल रहा है
নেম্প	नेइ	नहीं
আগে	आगे	पहले
পা	पा	पैर
মাথা	माथा	सिर, माथा

মোছ	मोछ	पोंछ
বৌদিকে	बोउदिके	भाभी को
ডিম	डिम	अंडा
আনতে	आनते	लाने
ফিরছি	फिरछि	(वापस) आ रहा हूँ
ওদের	ओदेर	उनके
পরীক্ষা	पोरिक्खा	परीक्षा
হচ্ছে	होच्छे	हो रहा है
ডাকছি	डाक्छि	बुला रहा हूँ
দেখছি	देखछि	देख रहा हूँ
বর্ষার	बर्शार	वर्षा का, बरसात का
তাম্প	ताइ	तभी
গন্ধ	गन्धो	गंध
পাচ্ছি	पाच्छि	पा रहा हूँ
গন্ধ পাচ্ছি	गन्धो पाच्छि	(मुझ) सुगंध आ रही है
ছেড়ে	छेड़े	छोड़कर
ভাজতে	भाजते	तलने

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से नये वाक्य बनाइए।

1. দরজা খুলছি। (বন্ধ করছি)
   दरजा <u>खुलछि</u>। (बंधो कोरछि)

2. তোর জন্যে অপেক্ষা করছি। (দাঁড়িয়ে আছি)
तोर जोन्ने अपेक्खा कोरछि। (दाँड़िये आछि)

3. বাইরে জোর বৃষ্টি পড়ছে। (হচ্ছে)
बाइरे जोर बृष्टि पोड़छे। (होच्छे)

4. ট্রাম বাস চলছে না। (যাচ্ছে)
ट्राम बास चोलछे ना। (जाच्छे)

5. বৌদিকে চা করতে বলছি। (রান্না করতে)
बोउदिके चा कोरते बोलछि। (रान्ना कोरते)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों को उचित स्थान पर जोड़कर वाक्य बनाइए।

1. দরকার নেই।
दरकार नेइ।

(চায়ের)
(चायेर)

(এখন)
(ऐखोन)

(না, না)
(ना, ना)

2. অপেক্ষা করছি।
अपेक्खा कोरछि।

(তোর জন্যে)
(तोर जोन्ने)

(অনেকক্ষণ ধরে)
(अनेक्खोन धोरे)

3. বৃষ্টি পড়ছে।
बृष्टि पोड़छे।

(জোর)
(जोर)

(বাইরে)
(बाइरे)

4. রিক্সা আসতে চাইছে না।
रिक्शा आशते चाइछे ना।

(কোন)
(कोनो)

(এদিকে)
(एदिके)

5. ওদের পরীক্ষা শুরু হচ্ছে।

ओदेर पोरिक्खा शुरु होच्छे।

(আগামী সপ্তাহে)

(आगामि शप्ताहे)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি চা __________ । (খাচ্ছি, খাচ্ছেন)

   आमि चा __________ । (खाच्छि, खाच्छेन)

2. তিনি দোকানে __________ । (যাচ্ছেন, যাচ্ছে)

   तिनि दोकाने __________ । (जाच्छेन, जाच्छे)

3. সে দরজা __________ । (খুলছি, খুলছে)

   शे दरजा __________ । (खुलछि, खुलछे)

4. বৌদি চা তৈরী __________ । (করছেন, করছি)

   बोउदि चा तोइरि __________ । (कोरछेन, कोरछि)

5. বাম্পরে জোর বৃষ্টি __________ । (হচ্ছি, হচ্ছে)

   बाइरे जोर बृष्टि __________ । (होच्छि, होच्छे)

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(করছেন, খাচ্ছে, যাচ্ছি, পড়ছো, যাচ্ছেন)

(कोरछेन, खाच्छे, जाच्छि, पोड़छो, जाच्छेन)

1. আপনারা কোথায় __________ ?

   आपनारा कोथाय __________ ?

2. আমি বাজারে _____ ।

আমি বাজারে_____ ।

3. সে চা _____ ।

শে চা _____ ।

4. তিনি রান্না _____ ।

তিনি রান্না _____ ।

5. তুমি কি বাংলা _____ ?

তুমি কি বাঙলা _____ ?

V. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. পঙ্কজ কেন দেরীতে এলো?
पंकोज कैनो देरिते एलो?

2. কেন রিক্সা চলছে না?
कैनो रिक्शा चोलछे ना?

3. শঙ্কু আর রিঙ্কুর পরীক্ষা কবে শুরু হচ্ছে?
शोंकु आर रिंकुर पोरिक्खा कबे शुरु होच्छे?

4. বর্ষার দিনে কি বিশেষ কিছু রান্না হচ্ছে?
बर्शार दिने कि बिशेष किछु रान्ना होच्छे?

5. কে ডিম ভাজতে যাচ্ছিল?
के डिम भाजते जाच्छिलो?

पढ़िए और समझिए :

একা পত্র (ऐकटा पत्र) एक पत्र

প্রিয় দিলীপ,
प्रियो दिलीप,

অনেকদিন পর তোমাকে চিঠি লিখছি। আমরা এখন পুরীতে যাচ্ছি। মাদ্রাজ
अनेकदिन पर तोमाके चिठि लिखछि। आमरा ऐखोन पुरिते जाच्छि। माद्राज

স্টশনে ট্রেনের জন্যে অপেক্ষা করছি। হাতে প্রায় আধ ঘণ্টা সময়। এখন
स्टेशोने ट्रेनेर जोन्ने अपेक्खा कोरछि। हाते प्राय आध घण्टा शोमोय। ऐखोन

বিশ্রামালয় থেকে তোমাকে চিঠি লিখছি। কলেজের সবাম্প মিলে দল বেঁধে আমরা
बिश्रामालय थेके तोमाके चिठि लिखछि। कलेजेर शबाइ मिले दल बेंधे आमरा

বেড়াতে যাচ্ছি। আমাদের সঙ্গে যাচ্ছেন আমাদের অধ্যাপক কিশোরবাবু। বন্ধুরা

অনেকেম্প
बैड़ाते जाच्छि। आमादेर शंगे जाच्छेन आमादेर ओद्धापक किशोरबाबु। बन्धुरा अनेकेइ

স্টশনে ঘুরছে। কেউ কেউ গল্পের বম্প পড়ছে, কেউ বা বসে বসে গল্প করছে।

অনেকেম্প
स्टेशोने घुरछे। केउ केउ गल्पेर बोइ पोड़छे, केउ बा बोशे बोशे गल्पो कोरछे। अनेकेइ

ি. ভি. দেখছে। কিশোরবাবু খবরের কাগজ পড়ছেন। আমি লিখছি আর সব মাল

পত্র
टि. भि. देखछे। किशोरबाबु खबोरेर कागोज पोड़छेन। आमि लिखछि आर शब माल पत्रो

দেখছি। তাম্প চিঠি লিখতে সময়ও লাগছে বেশী। মাদ্রাজ স্টশনা অনেকা হাওড়া
देखछि। ताइ चिठि लिखते शोमोयओ लागछे बेशि। माद्राज स्टेशोनटा अनेकटा
हावड़ा

স্টশনের মতো। রেললাম্পন এখানে এসে শেষ। তাম্প স্টশনের বাড়িা অনেকা

হাওড়ার
स्टेशोनेर मतो। रेललाइन एखाने एसे शेष। ताइ स्टशोनेर बाड़िटा अनेकटा हावड़ार

মতো। অনবরত ট্রেন আসছে আর যাচ্ছে। এখান থেকেম্প লোকজনের শব্দ শুনতে
मतो। अनोबरोतो ट्रेन आशछे आर जाच्छे। एखान थेकेइ लोकजोनेर शब्दो शुनते

পাচ্ছি। পুরীতে পৌঁছচ্ছি মঙ্গলবার সকালে। সেখানে থাকছি প্রায় সাত দিন।

তারপরে

পাচ্ছি। পুরিতে পौँउछोच्छि मोंगोलबार शकाले। शेखाने थाकछि प्राय शात दिन। तारपरे

কলকাতা যাচ্ছি। এবারে আর ভুবনেশ্বরে যাচ্ছি না। কেননা আমার মামা সেসময়

ওখানে
कोलकाता जाच्छि। एबारे आर भुबनेश्वरे जाच्छि ना। कैनना आमार मामा शेशोमोय ओखाने

থাকছেন না। উনি গরমের ছুটিতে দার্জিলিং যাচ্ছেন। তোমার খবর কি? কথামতো
थाकछेन ना। उनि गरोमेर छुटिते दार्जिलिं जाच्छेन। तोमार खबोर कि? कथामतो

কলকাতায় থাকছো তো? এখানেস্প শেষ করছি। ভালবাসা জানাচ্ছি।
कोलकाताय थाकछो तो? एखानेइ शेश कोरछि। भालोबाशा जानाच्छि।

স্পতি
इति

বকুল
बोकुल

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
বন্ধুকে	बोन्धुके	मित्र को
চিঠি	चिठि	चिट्ठी, पत्र
প্রিয়	प्रियो	प्रिय
আধ	आध	आधा
দল বেঁধে	दल बेंधे	एक झुंड
গল্পের	गल्पेर	कहानी का
পড়ছে	पोड़छे	पढ़ रहा है
খবর	खबोर	समाचार
খবরের	खबोरेर	समाचार का

মালপত্র	মালপত্রো	सामान
অনবরত	অনোবরোতো	लगातार, निरंतर
পৌঁছাচ্ছি	পাঁউছোচ্ছি	पहुँच रहा हूँ
সেখানে	শেখানে	वहाँ
থাকছি	থাকছি	रह रहा हूँ
গরমের	গরোমের	गर्मी का
ছুঁতে	ছুটিতে	छुट्टी में
বিশ্রামালয়	বিশ্রামালয়	प्रतिक्षालय
ভালবাসা	ভালোবাশা	प्यार

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. পত্র লেখক কোথা থেকে চিঠি লিখছে?
   पत्रो लेखक कोथा थेके चिठि लिखछे?
2. পত্র লেখকের বন্ধুর নাম কি?
   पत्रो लेखकेर बोन्धुर नाम कि?
3. পত্র লেখক কোথায় কোথায় বেড়াতে যাচ্ছে?
   पत्रो लेखक कोथाय कोथाय बैड़ाते जाच्छे?
4. পত্র লেখকের মামা কোথায় বেড়াতে যাচ্ছেন?
   पत्रो लेखकेर मामा कोथाय बैड़ाते जाच्छेन?

II. दाहिनी ओर के शब्दों को बायीं ओर दिए गए संबंधित शब्दों के साथ मिलाइए।

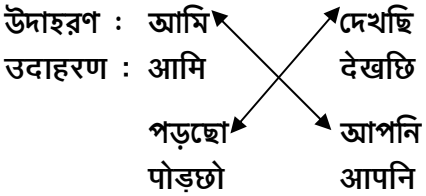

1.	তোমাকে	লিখছি
	তোমাকে	লিখছি
2.	এসে	অধ্যাপক
	এশে	ওদ্ধাপক
3.	পড়ছে	করে
	পোড়ছে	কোরে
4.	বন্ধু	আমাদের
	বোন্ধু	আমাদের
5.	শুনতে	বেড়াতে
	শুনতে	বৈড়াতে

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

প্রিয় বকুল,
প্রিয়ো বোকুল,

তোমার চিঠি পেলাম। আজ কলকাতা বনধ্। তাম্প এখন আমরা
তোমার চিঠি পেলাম। আজ কোলকাতা বনধ্। তাই ঐখোন আমরা

সবাম্প বাড়িতেম্প আছি। তোমাকে এখন চিঠি লিখছি। আমি ও বাবা দুজনেম্প
শবাই বাড়িতেই আচ্ছি। তোমাকে ঐখোন চিঠি লিখছি। আমি ও বাবা দুজোনেই

কলেজে যাম্পনি। রাস্তায় কোন যানবাহন চলছে না। আমি সকাল থেকেম্প
কলেজে জাইনি। রাস্তায় কোনো জানবাহোন চোলচ্ছে না। আমি শকাল থেকেই

টি. ভি. দেখছি। টি. ভি. তে ভারত - পাকিস্তানের খেলা হচ্ছে।
টি. ভি. দেখছি। টি. ভি. তে ভারোত - পাকিস্তানের খৈলা হোচ্ছে।

তুমি কোলকাতায় আসছ জেনে আমি তোমার জন্যে অপেক্ষা করছি। শেষ
তুমি কোলকাতায় আশচ্ছো জেনে আমি তোমার জোন্যে অপেক্খা কোরচ্ছি। শেশ

করলাম। বড়দের প্রণাম দিও ও তুমি আমার অনেক ভালবাসা নিও।
কোরলাম। বড়োদের প্রোণাম দিঅো ও তুমি আমার অনেক ভালোবাশা নিঅো।

স্পতি

इति

দিলীপ
दिलिप

IV. **बंगला में अनुवाद कीजिए।**

यह हमारे शहर का मुख्य डाकघर है। एक छोटा डाकघर हमारे मुहल्ले में भी है। वह हमारे लिए सुविधाजनक है। हम उसी डाकघर से ही पोस्टकार्ड, लिफ़ाफ़े टिकट आदि खरीदते हैं। तुम्हारे शहर में डाकघर कहाँ है? क्या वह तुम्हारे घर के निकट है? क्या तुम्हारे डाकघर से स्पीडपोस्ट की सुविधा है? हमारे शहर में तो है।

V. **नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।**

পুরী पुरि	কিছুদিন किछुदिन	গল্প गल्पो	অপেক্ষা अपेक्खा	দাঁড়িয়ে दाँड़िए
বিশ্রামালয় बिश्रामालय	গরম गरोम	দেখা दैखा	স্টেশন स्टेशोन	আধঘণ্টা आधघण्टा
দল বেঁধে दल बेंधे	ছাত্র छात्रो	ভালবাসা भालोबाशा	রেডিও रेडिओ	দার্জিলিং दार्जिलिं

VI. **यात्रा में रहते हुए आप कौन-कौन सी सावधानियाँ रखते हैं। इस पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।**

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में अपूर्ण वर्तमान कालिक क्रियारूपों का व्यवहार किया गया है। यदि धातु स्वरांत होती है तो धातु के तिर्यक रूप के साथ कालवाची प्रत्यय -চ্ছ (-च्छ) जोड़ा जाता है। यदि धातु व्यंजनान्त होती है तो धातु के तिर्यक रूप में -ছ (-छ) जोड़ा जाता है। कालवाचक प्रत्यय लगाने के बाद पुरुष वाचक प्रत्यय जोड़ा जाता है। वर्तमान काल में भिन्न-भिन्न पुरुषों के अनुसार रूप नीचे दिए जा रहे हैं। जैसे :

আমি ফিরছি	(ফের + ছ + ম্প)	मैं आती हूँ।
আমি ফিরচ্ছি	(फेर + छ + इ)	
আমি যাচ্ছি	(যা + চ্ছ + ম্প)	मैं जाती हूँ।
আমি জাচ্ছি	(जा + च्छ + इ)	
তিনি, উনি, আপনি ফিরছেন	(ফের + ছ + এন)	वे/आप आते हैं।
তিনি, উনি, আপনি ফিরচ্ছেন	(फेर + छ + एन)	
আপনি যাচ্ছেন	(যা + চ্ছ + এন)	आप जाते हैं।
আপনি জাচ্ছেন	(जा + च्छ + एन)	
তুমি ফিরছো	(ফের + ছ + ও)	तुम आते हो।
তুমি ফিরচ্ছো	(फेर + छ + ओ)	
তুমি যাচ্ছো	(যা + চ্ছ + ও)	तुम जाते हो।
তুমি জাচ্ছো	(जा + च्छ + ओ)	
তিনি ফিরছেন	(ফের + ছ + এন)	वे आते हैं।
তিনি ফিরচ্ছেন	(फेर + छ + एन)	
তিনি যাচ্ছেন	(যা + চ্ছ + এন)	वे जाते हैं।
তিনি জাচ্ছেন	(जा + च्छ + एन)	
সে ফিরছে	(ফের + ছ + এ)	वह आता/आती है।
শে ফিরচ্ছে	(फेर + छ + ए)	
সে যাচ্ছে	(যা + চ্ছ + এ)	वह जाता/जाती है।
শে জাচ্ছে	(जा + च्छ + ए)	

उपर्युक्त उदाहरणों में देखिए कि आकारांत धातुओं में कोई परिवर्तन नहीं होता। अन्य सब धातुओं में धातुरूपों का परिवर्तन लिखित रूप में हर समय दृष्टिगत नहीं होता किन्तु उच्चारण में परिलक्षित होता है। कभी लिखित रूप तथा उच्चारण में होता है और कभी सिर्फ उच्चारण में ही होता है, लिखित रूप में नहीं।

আপনি ফিরছেন	(ফের + ছ + এন)	वे/आप आते हैं।
আপনি ফিরচ্ছেন	(फेर + छ + एन)	

আপনি করছেন	(কর + ছ + এন)	वे/आप करते हैं।
আপনি কোরছেন	(কোর + ছ + এন)	

II. निषेधात्मक बनाने के लिए केवल अंत में -না (-ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

বাস চলছে না।	বাস চোলছে না।	बस नहीं चलती है।
আমি যাচ্ছি না।	আমি জাচ্ছি না।	मैं नहीं जाती हूँ।

III. इस पाठ में एक प्रकार की असमापिका क्रिया का व्यवहार सिखाया गया है। क्रिया के तिर्यक रूप के बादमें -তে (-ते) जोड़ने से इस प्रकार की असमापिका क्रिया बनाई जाती है। जैसे :

করতে	--	(কর + তে)	करने में
কোরতে	--	(কোর + তে)	
যেতে	--	(যা + তে)	जाने में
জেতে	--	(জা + তে)	
আসতে	--	(আস + তে)	आने में
আশতে	--	(আশ + তে)	